ABSTRACT

कृषि वस्तुओं का विपणन एवं मूल्य-निर्धारणः प्रावधान और चुनौतियाँ

प्रो. (श्रीमती) बिन्दु शुक्ला
अर्थशास्त्र विभाग
शास. स्व. शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

सारांश

कृषि राष्ट्रीय आय, रोजगार, औद्योगिक विकास, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार आदि अनेक क्षेत्रों में कृषि का महत्वपूर्ण योगदान है। पिछले दो दशकों से अधिक अवधि में औद्योगिकीकरण के संगठित प्रयास के बावजूद कृषि का गौरवपूर्ण स्थान बना हुआ है। यह अर्थव्यवस्था का प्राथमिक क्षेत्र और भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव है। अर्थव्यवस्था का आधार होने के बावजूद भी भारतीय कृषि और कृषक के समक्ष अनेक ऐसी समस्याएँ है, जिनके उचित निराकरण की जरूरत है। इनमें से एक चुनौती कृषि वस्तुओं का विपणन एवं मूल्य निर्धारण है।

प्रस्तुत शोध पत्र में कृषि वस्तुओं के विपणन एवं मूल्य निर्धारण संबंधी प्रावधान और इस संबंध में आने वाली चुनौतियों के साथ ही केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार की इस संबंध में लागू की गई नीतियों का शोधपूर्ण विवेचन किया गया है।

मुख्य शब्द- औद्योगिक विकास, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार,भारतीय अर्थव्यवस्था,विपणन कृषि आगत, न्यूनतम समर्थन मूल्य, वसूली मूल्य,

---

समाज वैज्ञानिकी अक्टूबर-मार्च 2020-21
अंक-33-34, ISSN 0973-4201
भारतीय समाज विज्ञान परिषद्